आर्थिक परिदृश्य

✪ **16 मई, 2018 को कृषि मंत्रालय द्वारा जारी वर्ष 2017-18 के लिए जारी तीसरे अग्रिम अनुमानों के अनुसार देश में कुल कितने टन खाद्यान्न उत्पादन का अनुमान लगाया गया है—*279.51 मिलियन टन***

❖ वर्ष 2017-18 के लिए तीसरे अग्रिम अनुमानों के मुताबिक देश में कुल खाद्यान्न उत्पादन 279.51 मिलियन टन होने का अनुमान लगाया गया है, जो वर्ष 2016-17 के दौरान हुए 275.11 मिलियन टन के पिछले रिकॉर्ड खाद्यान्न उत्पादन से 4.40 मिलियन टन अधिक है। चालू वर्ष में यह अनुमानित उत्पादन पिछले पाँच वर्षों (2012-13 से लेकर 2016-17 तक) के दौरान हुए औसत खाद्यान्न उत्पादन से भी 19.33 मिलियन टन अधिक है।

❖ तीसरे अग्रिम अनुमानों के मुताबिक वर्ष 2017-18 के दौरान प्रमुख फसलों के अनुमानित उत्पादन का उल्लेख नीचे किया गया है।

1. खाद्यान्न	:	279.51 मिलियन टन (रिकॉर्ड)
2. चावल	:	111.52 मिलियन टन (रिकॉर्ड)
3. गेहूँ	:	98.61 मिलियन टन (रिकॉर्ड)
4. पोषक/मोटे अनाज	:	44.87 मिलियन टन (रिकॉर्ड)
5. मक्का	:	26.88 मिलियन टन (रिकॉर्ड)
6. दालें	:	24.51 मिलियन टन (रिकॉर्ड)
7. चना	:	11.16 मिलियन टन (रिकॉर्ड)
8. अरहर	:	4.18 मिलियन टन
9. उड़द	:	3.28 मिलियन टन (रिकॉर्ड)
10. तिलहन	:	30.64 मिलियन टन
11. सोयाबीन	:	10.93 मिलियन टन
12. मूंगफली	:	8.94 मिलियन टन
13. रेपसीड एवं सरसों	:	8.04 मिलियन टन
14. अरंडी	:	1.49 मिलियन टन
15. कपास	:	34.86 मिलियन गाँठें (प्रत्येक 170 किलो)
16. गन्ना	:	355.10 मिलियन टन

✪ **17 मई, 2018 को संयुक्त राष्ट्र द्वारा जारी विश्व आर्थिक स्थिति एवं संभावना (डब्ल्यूईएसपी) मध्यावधि 2018 रिपोर्ट के अनुसार भारत की जीडीपी वृद्धि वर्ष 2018-19 में कितने प्रतिशत रहने का अनुमान है—** ***7.6 प्रतिशत***

- ❖ 17 मई, 2018 को संयुक्त राष्ट्र ने **'विश्व आर्थिक स्थिति एवं संभावना'** (डब्ल्यूईएसपी-2018) की मध्यावधि अद्यतन रिपोर्ट प्रकाशित की। इस रिपोर्ट के अनुसार भारतीय जीडीपी के वर्ष 2018-19 में 7.6 प्रतिशत रहना अनुमानित है। जबकि वर्ष 2017-18 में इसके 7.5% रहने का अनुमान है।
- ❖ चीन की वृद्धि दर वर्ष 2017 में 6.9 प्रतिशत जबकि वर्ष 2018 में 6.5 प्रतिशत रहना अनुमानित है। रिपोर्ट में वर्ष 2018-19 में वैश्विक अर्थव्यवस्था की वृद्धि दर 3.2 प्रतिशत रहना अनुमानित है। वर्ष 2019 में चीन की जीडीपी वृद्धि 6.3 प्रतिशत रहने का पूर्वानुमान है।

✪ **मई, 2018 में 15वें वित्त आयोग ने अपने विचारार्थ विषयों से संबंधित मसलों पर परामर्श देने के लिए किसकी अध्यक्षता में एक सलाहकार परिषद का गठन किया—** ***अरविंद विरमानी***

- ❖ 9 मई, 2018 को 15वें वित्त आयोग ने अपने विचारार्थ विषयों से संबंधित मसलों पर परामर्श देने एवं सहायता के लिए एक सलाहकार परिषद का गठन किया। इस 6 सदस्यीय परिषद की अध्यक्षता रणनीतिक पहलों के लिए फोरम के अध्यक्ष विरमानी करेंगे। सलाहकार परिषद के अन्य सदस्यों में प्रधानमंत्री आर्थिक सलाहकार परिषद (PMEAC) के अंशकालिक सदस्य एवं ऑब्जर्वेट्री ग्रुप के लिए वरिष्ठ भारतीय विश्लेषक और ऑक्सस रिसर्च एण्ड इन्वेस्टमेंट के अध्यक्ष सुरजीत एस. भल्ला, सजीव गुप्ता, पिनाकी चक्रवर्ती, साजिद चिनॉय और नीलकंठ मिश्र शामिल है।
- ❖ आयोग के विचारार्थ विषयों (ToR) से संबंधित विषय अथवा किसी ऐसे मसले पर आयोग को परामर्श देने जो प्रासंगिक हो सकता है।

✪ **मई, 2018 में प्रधानमंत्री वय वंदना योजना (PMVVY) के तहत वरिष्ठ नागरिकों के लिए निवेश की सीमा को 7.5 लाख रुपये से बढ़ाकर कितना कर दिया गया है—** ***15 लाख रुपये***

- ❖ प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में केन्द्रीय मंत्रिमण्डल ने वित्तीय समावेश और सामाजिक सुरक्षा के प्रति सरकारी प्रतिबद्धता के अंतर्गत प्रधानमंत्री वय वंदना योजना (पीएमवीवीवाई) के तहत निवेश सीमा को 7.5 लाख रुपये से दोगुना कर 15 लाख रुपये करने के साथ-साथ इसकी सदस्यता की समय सीमा को 4 मई, 2018 से बढ़ाकर 31 मार्च, 2020 करने की मंजूरी दे दी है।
- ❖ इसके अलावा, वरिष्ठ नागरिकों के लिए सामाजिक सुरक्षा पहलों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से मौजूदा योजना में प्रति परिवार 7.5 लाख रुपये की निवेश सीमा को बढ़ाकर संशोधित पीएमवीवीवाई में वरिष्ठ नागरिकों को प्रति माह 10,000 रुपये तक पेंशन मिल सकेगी।
- ❖ पीएमवीवीवाई को भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) के जरिए क्रियान्वित किया जा रहा है, ताकि वृद्धावस्था में सामाजिक सुरक्षा प्रदान की जा सके और इसके साथ ही 60 साल एवं उससे अधिक उम्र के बुजुर्गों को अनिश्चित बाजार स्थितियों के चलते उनकी ब्याज आमदनी में किसी भी भावी कमी से उन्हें सुरक्षा प्रदान की जा सके। इस स्कीम के तहत 10 साल तक प्रति वर्ष 8 प्रतिशत की गारंटीड रिटर्न दर के आधार पर एक निश्चित या आश्वासित पेंशन दी जाती है और इसमें मासिक/तिमाही/छमाही एवं वार्षिक आधार पर पेंशन का चयन करने का विकल्प दिया गया है।

✪ **अप्रैल, 2018 में विश्व द्वारा जारी रिपोर्ट के अनुसार विदेशों से सम्प्रेषित धन प्राप्तियों के मामले में पहला स्थान किस देश (2017 के दौरान) रहा—** ***भारत***

- ❖ विश्व बैंक द्वारा माइग्रेशन एण्ड डेवलपमेंट ब्रीफ 'शीर्षक से जारी रिपोर्ट में बताया गया है कि वर्ष 2017 में भारत की विदेशों से कुल प्राप्तियाँ **68.97** अरब डॉलर की रही जो पूर्व वर्ष 2016 में 62.74 अरब डॉलर थी।
- ❖ रिपोर्ट के अनुसार 2017 में विदेशों से 613.47 अरब डॉलर का कुल सम्प्रेषण रहा।
- ❖ विदेशों से सम्प्रेषित धन की प्राप्तियों के मामले में दूसरा व तीसरा स्थान क्रमश: **चीन** (63 अरब डॉलर) व **फिलीपींस** (33 अरब डॉलर) का रहा।
- ❖ विदेशों से सम्प्रेषित धन की प्राप्तियों के मामले में भारत का विश्व में शीर्ष स्थान 2008 से बना हुआ है।

✪ **अप्रैल, 2018 में अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष की वर्ल्ड इकोनॉमिक आउट लुक रिपोर्ट के अनुसार विश्व की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है—** ***अमरीका***

- ❖ रिपोर्ट के अनुसार विश्व की 10 बड़ी अर्थव्यवस्थाएँ क्रमश: अमरीका, चीन, जापान, जर्मनी, यूनाइटेड किंगडम, भारत, फ्रांस, ब्राजील, इटली व कनाड़ा है।
- ❖ रिपोर्ट के अनुसार भारतीय अर्थव्यवस्था विश्व की छठी बड़ी अर्थव्यवस्था है। वर्ष 2017 में भारत की जीडीपी 2.61 ट्रिलियन डॉलर (प्रचलित मूल्यों पर) की रही।
- ❖ रिपोर्ट में 2018 व 2019 में भारत की वृद्धि क्रमश: 7.4 प्रतिशत व 7.8 प्रतिशत रहने का पूर्वानुमान व्यक्त किया गया है।

विश्व की 5 बड़ी अर्थव्यवस्था (अप्रैल, 2018 का आंकलन)

क्र. सं.	देश	2017 में जीडीपी (ट्रिलियन डॉलर)
1	अमरीका	19.39
2	चीन	12.01
3	जापान	4.87
4	जर्मनी	3.68
5	यूनाइटेड किंगडम	2.62

❐❐❐